M. A. (Previous) Examination,

भारतीय दर्शन

Paper –MASA -03

Section –B

(Short answer questions)

लघूत्तरात्मक वाले प्रश्न

Note:Each answer should not exceed 100 words.

नोट : आप अपने उत्तर को अधिकतम100 शब्दों में परिसीमित कीजिये।

1. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) "अतिदूरात् सामीप्याद् इन्द्रियघातान्मनोऽनवस्थानात्।

सौक्ष्म्याद् व्यवधानाद् अभिभवात् समानाभिहाराच्च॥" प्रस्तुत कारिका का क्या तात्पर्य है ?

(ब) "अनन्यथासिद्धनियतपूर्वभावित्वं कारणत्वम्" के अर्थ को स्पष्ट करते हुए अन्यथासिद्धों को समझाइए।

2.निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) वेदान्तदर्शन के अनुसार 'शमादिशट्कसम्पत्ति' का उल्लेख कीजिए।

(ब) प्रामाण्यवाद विषयक मीमांसा के मत को स्पष्ट कीजिए।

3. सांख्य के अनुसार जीवन्मुक्ति और विदेहमुक्ति में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए।

4.निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए -

१. समवायी कारण।

२. काश्मीर शैवदर्शन के अनुसार- त्रिविध मल।

5. निम्न में से किन्ही दो की व्याख्या कीजिए -

१. परामर्श २. वितण्डा ३. जल्प ४. अध्यारोप

6. पञ्चीकरण सिद्धान्त क्या है ? इसे स्पष्ट कीजिए।

7. बौद्धदर्शन का अनीश्वरवाद क्या है ?

8. वेदान्तसार के अनुसार समाधि का स्वरूप क्या है ?

२. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) चार्वाक दर्शन के ईश्वर विषयक विचार को प्रस्तुत कीजिए।

(ब) "जीवब्रह्मैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयं..." को स्पष्ट कीजिए।

10.निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) काश्मीर शैव दर्शन के अनुसार निग्रह और अनुग्रह के अन्तर को स्पष्ट करते हुए शिव की पाँच शक्तियों का उल्लेख कीजिए।

(ब) प्रामाण्यवाद विषयक न्याय के मत को स्पष्ट कीजिए।

11. वेदान्त दर्शन के अनुसार पञ्चकोशों का उल्लेख कीजिए।

12.निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए -

१. "संघातपरार्थत्वात्" से क्या आशय है ?

२. न्याय दर्शन के अनुसार- त्रिदोष क्या है ?

13. निम्न में से किन्ही दो की व्याख्या कीजिए -

१. दुःख निरोध २. केवल ज्ञान ३. पञ्चकर्मेन्द्रियाँ ४. अपवाद

14. साधनचतुष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

15. असमवायिकारण को बताते हुए उसके दोनों प्रकारों का वर्णन कीजिए।

16. क्षणिकवाद को स्पष्ट कीजिए।

17. निम्न में से किसी एक कारिका की व्याख्या कीजिए।

(अ) "निजशक्तिवैभवभराद् अण्डचतुष्ट्यमिदं विभागेन।

शक्तिर्माया प्रकृतिः पृथ्वी चेति प्रभावितं प्रभुणा॥"

(ब) यावाज्जीवेत् सुखं जीवेद् ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्।

भस्मीभूतस्य देहस्य पुनरागमनं कुतः ॥

18.निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) सांख्यदर्शन के अनुसार पुरुष बहुत्व को समझाइए।

(ब) वेदान्त के अनुसार अधिकारी की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

19. वैशेषिक के अनुसार सात पदार्थों का विवेचन कीजिए।

20.निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए -

१. जैन दर्शन के अनुसार अजीव तत्त्व तथा आस्रव तत्त्व

२. न्याय दर्शन द्वारा स्वीकृत शब्द प्रमाण

21. निम्न में से किन्ही दो की व्याख्या कीजिए -

१. पंचावयव वाक्य २. सद्हेतु ३. उपमान ४. अशुद्धाध्वा

22. वेदान्त के जीवन्मुक्त के लक्षण को सुस्पष्ट कीजिए।

23. बौद्ध मत के धार्मिक सम्प्रदायों का वर्णन कीजिए।

24. परमार्थसार के अनुसार मोक्ष का विवेचन कीजिए।

25. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) सांख्य के अनुसार प्रकृति के अस्तित्व की सिद्धि कीजिए।

(ब) वेदान्त दर्शन में वर्णित सत्ता के त्रिविध रूपों का वर्णन कीजिए।

26.निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) न्याय के अनुसार अलौकिक प्रत्यक्ष को विवेचित कीजिए।

(ब) चार्वाक के द्वारा उपमान प्रमाण का खण्डन किस आधार पर किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

27. सव्यभिचार हेत्वाभास का सविस्तार वर्णन कीजिए।

28.निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए -

१. "गच्छति गच्छति जल इव हिमकरं बिम्बं स्थिते स्थिति याति।

तनुकरण भुवनवर्गे तथायमात्मा महेशानः ॥

२. परमार्थसार के अनुसार षड्विंत्रशत् तत्त्वात्मक जगत् के विकास को समझाइए।

29. निम्न में से किन्ही दो की व्याख्या कीजिए -

१. वेदना स्कन्ध २. विशेष ३. मनन ४. पीठरपाक

30. न्याय दर्शन के अनुमान प्रमाण का उल्लेख कीजिए।

31. फलव्याप्ति तथा वृत्तिव्याप्ति का विस्तार से वर्णन कीजिए।

32. सांख्य दर्शन के अनुसार किसी वस्तु का प्रत्यक्ष न होने में क्या-क्या कारण हैं ?

33. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) सांख्य के अनुसार पुरुष की सत्ता में क्या प्रमाण है ?

(ब) वेदान्त के ईश्वर विषयक विचार को वैणित् कीजिए।

34.निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) न्याय तथा वैशेषिक दर्शन में साम्य एवं वैषम्य को स्पष्ट कीजिए।

(ब) चार्वाकदर्शन के देहात्मवाद का वर्णन कीजिए।

35. असिद्ध हेत्वाभास को बताते हुए उसके भेदों पर प्रकाश पर डालिए।

36.निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए -

१. न्याय दर्शन के अनुसार वाक्य का स्वरूप क्या है ?

२. षड्विध लिङ्गों से 'अहं ब्रह्मास्मि' का तात्पर्यबोध कैसे होता है ? स्पष्ट कीजिए।

37. निम्न में से किन्ही दो की व्याख्या कीजिए -

१. संज्ञा स्कन्ध २. समवाय ३. पञ्चतन्मात्राएँ ४. प्राज्ञ

38. 'तत्त्वमसि' महावाक्य के अर्थ का बोध जहदजहल्लक्षणा द्वारा किस प्रकार होता है ? समझाइए।

39. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) सांख्य के अनुसार मोक्ष का क्या स्वरूप है ?

(ब) वेदान्त दर्शन के अनुसार "अहं ब्रह्मास्मि" महावाक्य का अर्थ निर्धारण कीजिए।

40.निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) न्याय के अनुसार लिङ्ग किसे कहते हैं ? उसके भेदों का उल्लेख कीजिए।

(ब) माध्यमिक मत को स्पष्ट कीजिए।

41. षट्कञ्चुक को सविस्तार समझाइए।

42.निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए -

१. न्यायदर्शन के लौकिक प्रत्यक्ष का वर्णन कीजिए।

२. वेदान्त के अनुसार समाधि के विघ्नों को समझाइए।

43. निम्न में से किन्ही दो की व्याख्या कीजिए -

१. शक्तिग्रह के साधन २. मनःपर्याय ज्ञान ३. बाह्यार्थानुमेयवाद ४. असिद्ध हेत्वाभास

44. अज्ञान की शक्तियों के स्वरूप को बताइए।

45. सांख्य के अनुसार प्रकृति का प्रत्यक्ष क्यों नहीं हो पाता ? तथा उसका अनुमान किस आधार पर होता है ?

46. सत्कारणवाद को स्पष्ट कीजिए।

47. चतुर्विध स्थूलशरीर का वर्णन कीजिए।

48. असत्कार्यवाद को समझाइए।

49. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) सांख्य के अनुसार मोक्ष का क्या स्वरूप है ?

(ब) वेदान्त दर्शन के अनुसार "अहं ब्रह्मास्मि" महावाक्य का अर्थ निर्धारण कीजिए।

50.निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(अ) न्याय के अनुसार लिङ्ग किसे कहते हैं ? उसके भेदों का उल्लेख कीजिए।

(ब) माध्यमिक मत को स्पष्ट कीजिए।

51. षट्कञ्चुक को सविस्तार समझाइए।

52.निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए -

१. न्यायदर्शन के लौकिक प्रत्यक्ष का वर्णन कीजिए।

२. वेदान्त के अनुसार समाधि के विघ्नों को समझाइए।

53. निम्न में से किन्ही दो की व्याख्या कीजिए -

१. शक्तिग्रह के साधन २. मनःपर्याय ज्ञान ३. बाह्यार्थानुमेयवाद ४. असिद्ध हेत्वाभास

54. अज्ञान की शक्तियों के स्वरूप को बताइए।

55. सांख्य के अनुसार प्रकृति का प्रत्यक्ष क्यों नहीं हो पाता ? तथा उसका अनुमान किस आधार पर होता है ?

56. सत्कारणवाद को स्पष्ट कीजिए।